अपने मन को व्यर्थ का कूड़ेदान न बनायें - ब्र. कु. शिवानी

'लखनऊ। घर के कुड़े कचरे को तो हम रोज साफ करते हैं परन्तु मन में प्रतिदिन आने वाले व्यर्थ को सहेज कर रख लेते हैं। जिससे धीरे-धीरे वह कूड़ेदान का डिब्बा बन जाता है और हमारे जीवन में नकारात्मकता और निराशा घर कर लेती है। इसलिए मन को सकारात्मक विचारों का भोजन दें। उक्त उदगार तनावमुक्त प्रबन्धन विशेषज्ञ तथा मैनेजेमेन्ट गुरू ब्र. कु. शिवानी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर **'खुशनुमा पारिवारिक जीवन में महिलाओं का योगदान'** विषय पर बलरामपुर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में पांच हजार से भी ज्यादा लोगों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे उन्होंने जीवन के सहज और सरल पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि सोच के रचनाकार हम होते है और मन में उत्पन्न विकृतियों के लिए दोष दूसरों को देते हैं। स्वस्थिति हमारी होती है जबकि हम परस्थिति के उपर दोषारोपण करते हैं। हम अपने साथ-साथ घर, परिवार तथा समाज के माहौल को बदल सकते हैं बशर्तें पहले हम स्वयं को बदलने का प्रयास करें। जीवन के दैनिक दिनचर्या में घटने वाली छोटी-छोटी घटनाओं को ध्यान में रखकर उसका निदान करें तो बड़ी समस्यायें पैदा नहीं हो सकती है। भय और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पहले मन स्थिति से प्रारम्भ होती है। इसलिए हमें अपने मन को वश में रखते हुए उसे सहज, सरल और सकारात्मक विचारों को स्थान दे तो नकारात्मकता अपने आप दूर हो जायेगी।

पारिवारिक जीवन को खुशहाल रखने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका होती है। इसलिए हमें उन सभी पहलुओं पर सोचने की आवश्यकता है जिसके कारण हमारा जीवन प्रभावित होता है। इलेक्ट्रानिक इंजिनियरी में गोल्ड मेडेलिस्ट रह चुकी शिवानी ने कहा कि कई बार कई लोगों का घर और आफिस साफ सुथरा होत आलमारियों के कपबोर्ड में गंदगियां रह जाती जो समय पर बाहर निकल आती है। वैसे ही आजकल के लोग है बाहर से अच्छा दिखतें है बोलते भी है परन्तु अंदर से व्यर्थ सोच-सोचकर अपने मन को गंदा और व्यर्थ में उलझा लेते हैं। यही समय आने पर बाहर निकल आती है।

उन्होंने केवल महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरूषों के भी सशक्तिकरण की आवश्यकता बतायी। जिससे सभ्य समाज के निर्माण में दोनों की भागीदारी अहम हो सके। खचाखच भरे बलरामपुर गार्डन में आये लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज से ही अपने मन को दिन में कई बार क्लीन करने का संकल्प लें। जिससे सम्बन्ध सम्पर्क में आने वाले लोगों तथा स्वयं को भी स्वच्छ और सुकुन जिन्दगी मिल सके।

इस अवसर पर लखनऊ के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी वर्गों के लोगों ने इस कार्य्र को सराहते हुए वर्तमान समय जीवन की मांग बतायी। कार्यक्रम का उदघाटन दीप जलाकर किया गया। इसक पश्चात कई गणमान्य नागरिकों ने ब्र. कु. शिवानी बहन का साल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम के अन्त में ब्रह्माकुमारीज गोमती नगर लखनऊ की प्रभारी ब्र. कु. राधा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।